DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR.

Circular / Syll. Sec./HF/ UG IInd Yr./Curriculum/ 2025.

It is hereby inform to all concerned that, on the recommendation of Board of Deans; **the Academic Council at it's Meeting held on 09th May, 2025 has been accepted the** *"Following Subject wise Curriculum of UG level under the faculty of Humanities as per Guidelines of NEP & University Norms"* for implemented in the all affiliated colleges.

Sr. No.	Name of the UG Curriculum	Semester
01.	Marathi	IIIrd & IVth
02.	Hindi	IIIrd & IVth
03.	English	IIIrd & IVth
04.	Urdu	IIIrd & IVth
05.	Pali & Buddhism	IIIrd & IVth
06.	Arabic	IIIrd & IVth
07.	Sanskrit	IIIrd & IVth
08.	Political Sciecne	IIIrd & IVth
09.	Public Administration	IIIrd & IVth
10.	Economics	IIIrd & IVth
11.	History	IIIrd & IVth
12.	Sociology with First Year minor changes	IIIrd & IVth & IInd
13.	Geography with First Year minor changes	IIIrd & IVth & Ist & IInd
14.	Psychology with First Year minor changes	IIIrd & IVth & Ist & IInd
15.	Thoughts of Mahatma Phule & Dr. B. R. Ambedkar	IIIrd & IVth
16.	Islamic Studies	IIIrd & IVth
17.	Military Science	IIIrd & IVth
18.	Philosophy	IIIrd & IVth

This is effective from the Academic Year 2025-26 and Onwards as per appended herewith.

All concerned are requested to note the contents of this circular and bring notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University campus,
Chhatrapati Sambhajinagar-431 004.
Ref. No. SU/ UG/Curriculum/NEP Norms/2025/ 843

Date: 29/ 05/ 2025.

Deputy Registrar,
[Syllabus]

****

Copy forwarded with necessary action to:-

1] **The Principal, all concerned affiliated colleges,** Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Chhatrapati Sambhajinagar.

2] **The Director,** University Network & Information Centre, UNIC, with **a request to upload this Circular on University Website.**

3] **The Director, Board of Examinations & Evaluation,** Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Chhatrapati Sambhajinagar.

-=**=-

DrK*280525/-

DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY,

CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR

3 Years B. A. / B.Com. / B.Sc.

4 Year B. A. / B.Com. / B.Sc.

(Hons. with Research) Degree Programme

Second Year
Course Structure

Subject : Hindi

(Effective from 2025-2026)

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

AS PER NEP 2020

Illustrative Credit distribution structure for three/ four-year Honours/ Honours with Research Degree Programme with Multiple Entry and Exit options

(Discipline Specific in Hindi)

Class: B. A. / B.Com. / B.Sc. Second Year

Semester : Third Semester & Fourth Semester

Subject: Hindi

Third Semester

Sr. No.	Specification/ type of Papers	Paper	Credits	Total Credits/ Semester
1	Major Mandatory	DSC - 7 मध्ययुगीन हिंदी कविता	2T+ 2P = 4	4T+ 4P =8
		DSC - 8 उपन्यास साहित्य	2T+ 2P = 4	
2	Major Elective	--	--	--
3	Minor	Mn - 1 हिंदी फिल्मी गीत अध्ययन	2	4
		Mn - 2 साहित्य विविधा	2	
4	Generic/ Open Elective	GE/OE-3 (Choose any one from Pool /Basket) हिंदी व्यंग्य साहित्य	2	2
5	Vocational Skill Course	VSC -2 (Choose any one from Pool /Basket) अनुवाद स्वरूप और प्रक्रिया	1T+1P =2	2
6	Skill Enhancement Course	--	--	--
7	Ability Enhancement Course	AEC	2	4
8	Value Education Course	VEC -1	2	
9	Indian Knowledge System	--	--	
10	On Job Training	--	--	2
11	Field Project	--	--	
12	Community Engagement Project	--	--	
13	Co-curricular Course	CC - 3	2	
14	Research Project	--	--	
Cum. Cr./ Semester		--	22	22
Cum. Cr./Year		--	--	--
Exit option: Award of UG Certificate in Major with **44 credits** and an additional 4 credits core NSQF course/ Internship OR Continue with Major and Minor				

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

Fourth Semester

Sr. No.	Specification/ type of Papers	Paper	Credits	Total Credits/ Semester
1	Major Mandatory	DSC - 9 आधुनिक हिंदी कविता	2T+2P= 4	4T+4P=8
		DSC - 10 कथेत्तर गद्य साहित्य	2T+2P= 4	
2	Major Elective	--	--	--
3	Minor	Mn - 3 हिंदी मंचीय कविता	2	4
		Mn – 4 भारतीय कहानी साहित्य	2	
4	Generic/ Open Elective	GE/OE-4 (Choose any one from Pool /Basket) हिंदी गजल साहित्य	2	2
5	Vocational Skill Course	--	--	--
6	Skill Enhancement Course	SEC -2 (Choose any one from Pool /Basket) फीचर लेखन	1T+1P =2	2
7	Ability Enhancement Course	AEC - 4 हिंदी भाषा : सम्प्रेषण कौशल	2	
8	Value Education Course	--	--	2
9	Indian Knowledge System	--	--	
10	On Job Training	--	--	
11	Field Project	--	--	
12	Community Engagement Project	FP - 1	2	4
13	Co-curricular Course	CC - 4	2	
14	Research Project	--	--	
Cum. Cr./ Semester		--	22	22
Cum. Cr./Year		--	--	44

Exit option: Award of UG Certificate in Major with **44 credits** and an additional 4 credits core NSQF course/ Internship OR Continue with Major and Minor

Note: Papers highlighted in red colour are multiple choices

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,छत्रपति संभाजीनगर

(Major-Hindi-Mandatory) Level - 5

DSC –7 तृतीय सत्र

मध्ययुगीन हिंदी कविता

श्रेयांक – 4 (सैद्धांतिक- 2, क्रियात्मक गतिविधि - 2)

अंक – 100 (30+20+30+20)

तासिका 30+60=90

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- मध्यकालीन हिंदी काव्यधारा की ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समझना।
- भक्तिकाव्य,रीतिकाव्य और निर्गुण-सगुण भक्ति धारा के अंतर और प्रभाव को समझना।
- प्रमुख कवियों के चयनित पाठों के माध्यम से भाव,भाषा,शैली और काव्य सौंदर्य का विश्लेषण करना।
- मध्यकालीन सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समझना।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- छात्र मध्ययुगीन भारतीय संत साहित्य से परिचित होंगे।
- छात्र मध्ययुगीन भक्ति परंपरा के विकास क्रम को समझेंगे।
- छात्र मध्ययुगीन साहित्य के अध्ययन से सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक प्रवृत्तियों को समझेंगे।
- मध्ययुगीन साहित्य के अध्ययन से छात्रों में सामाजिक तथा राष्ट्रीयता का भाव निर्माण होगा।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति।
- दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन,यूट्यूब,मोबाईल।
- स्वाध्याय।
- अध्ययन यात्रा।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई -1	**मध्ययुगीन हिंदी काव्य का परिचय** • हिंदी साहित्य का काल विभाजन और मध्यकाल की पृष्ठभूमि • मध्यकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पृष्ठभूमि • भक्ति आंदोलन और उसका साहित्य पर प्रभाव • भक्तिकाव्य और रीतिकाव्य की विशेषताएँ **कबीरदास** • कबीरदास : व्यक्तित्व और कृतित्व • कबीर की रचनाएँ और काव्य की विशेषताएँ • चयनित रचनाएँ • भक्ति भावना के दोहे – 1,2,3 • गुरु महत्ता के दोहे – 4,5,6 **मालिक मुहम्मद जायसी** • मालिक मुहम्मद जायसी : व्यक्तित्व और कृतित्व	1	15

	• मालिक मुहम्मद जायसी की रचनाएँ और काव्यगत विशेषताएँ • चयनित रचनाएँ • वियोग वर्णन के पद : पद क्र. – 1,2		
इकाई - 2	**सूरदास** • सूरदास : व्यक्तित्व और कृतित्व • सूरदास की रचनाएँ और काव्यगत विशेषताएँ • चयनित रचनाएँ • वात्सल्य वर्णन के पद : पद क्र. – 1,2 • विरह वर्णन के पद : पद क्र. – 3,4 **तुलसीदास** • तुलसीदास : व्यक्तित्व और कृतित्व • तुलसीदास की रचनाएँ और काव्यगत विशेषताएँ • चयनित रचनाएँ • भक्ति भावना के पद : पद क्र. – 1,2 • सामाजिक चेतना के पद :पद क्र.– 3,4 **बिहारी** • बिहारी : व्यक्तित्व और कृतित्व • बिहारी की रचनाएँ और काव्यगत विशेषताएँ • चयनित रचनाएँ • शृंगार वर्णन के दोहे क्र. – 1,2,3 • विरह वर्णन के दोहे क्र. – 4,5,6	1	15
इकाई - 3	**क्रियात्मक गतिविधि : (Practical Activite)** • छात्रों को कबीर,सूर,तुलसी और जायसी आदि के दोहों का तथा पदों का वाचन करवाया जा सकता है। • छात्रों को कबीर,सूर,तुलसी और जायसी आदि के दोहों का तथा पदों का गायन कराया जा सकता है। • किसी अन्य गायक द्वारा गाए हुए पदों को कक्षा में प्रस्तुत किया जा सकता है।प्रयोग के तौर पर छात्रों से दोहों का लेखन कार्य करवाया जा सकता है।	1	15X2=30
इकाई - 4	**क्रियात्मक गतिविधि : (Practical Activite)** • क्षेत्रीय संतों की जानकारी प्राप्त कराई जा सकती है। • भक्तिकालीन काव्य के माध्यम से काव्य वाचन,लेखन,प्रस्तुतीकरण की कार्यशालाओं का आयोजन किया जा सकता है। • दोहा तथा पद लिखने वाले कवियों का साक्षात्कार लिया जा सकता है।	1	15X2=30
	छात्र मूल्यांकन सत्रांत पठित पाठ्यक्रम के आधार पर विविध गतिविधियों के माध्यम से छात्र की प्रस्तुति,सोंच और मौलिकता को प्रमुखता देकर विशेषज्ञ परीक्षक के द्वारा अंक दिए जाए। • समीक्षा प्रस्तुति (लिखित/ऑडियो/वीडियो इनमें से एक) मध्ययुगीन संतों का जीवन और कार्य,दोहों और पदों का सारांश,विषयवस्तु का विश्लेषण,लेखकीय भाषा शैली,छात्र के अपने निष्कर्ष 1200–1500 शब्दों में		

	• दृश्य लेखन एवं मंचन मध्ययुगीन संतों के जीवन और कार्य पर लेखन करवाए तथा उनका मंचन या वाचन कराए। • साहित्यिक पोस्टर/कोलाज सम्बंधित विषय सूत्र के आधार पर साहित्यिक पोस्टर/कोलाज बनाकर उसकी व्याख्या करें। • मौखिक प्रस्तुति एवं दृश्य विश्लेषण छात्रों को 3–5 मिनट में मध्ययुगीन संतों के जीवन और कार्य के एक पहलू को प्रस्तुत करना होगा। निर्धारित आवश्यक श्रेयांक प्राप्त करने के लिए छात्र को उपरोक्त विषय बिन्दुओं में से किसी एक गतिविधि को पूर्ण करना अनिवार्य होगा।		

परिशिष्ट : पाठ्यक्रम के पद एवं दोहे परिशिष्ट में समाहित है।

संदर्भ ग्रंथ :

1. कबीर ग्रंथावली,संपा.श्यामसुंदर दास,इंडियन प्रेस लिमिटेड,प्रयाग
2. सूरसागर,संपा.डॉ. धीरेंद्र वर्मा,साहित्य भवन लिमिटेड,इलाहाबाद
3. गोस्वामी तुलसीदास कृत श्रीरामचरितमानस,योगेंद्र प्रताप सिंह,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
4. पद्मावत,संपा.आचार्य रामचंद्र शुक्ल,लोक भारती प्रकाशन,इलाहाबाद
5. बिहारी और उनका काव्य,हरवंशलाल शर्मा,भारत प्रकाशन मंडल,अलिगढ
6. भक्तिकाव्य यात्रा,डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी,लोक भारती प्रकाशन,इलाहाबाद
7. कबीर,सूर,तुलसी: डॉ.योगेंद्र प्रताप सिंह,लोक भारती प्रकाशन,इलाहाबाद
8. सूरदास,आ. रामचंद्र शुक्ल,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
9. तुलसीदास,डॉ.रामचंद्र तिवारी,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

परिशिष्ट

मध्ययुगीन काव्य : दोहे एवं पद

कबीर के दोहे : भक्ति भावना

दोहे क्र. – 1

भाव बिना नहिं भक्ति जग, भक्ति बिना नहीं भाव।
भक्ति भाव एक रूप हैं, दोऊ एक सुभाव।।

दोहे क्र. – 2

कामी क्रोधी लालची, इनसे भक्ति न होय।
भक्ति करे कोई सुरमा, जाति बरन कुल खोय।।

दोहे क्र. – 3

मेरा मुझ में कुछ नहीं,जो कुछ है सो तेरा।
तेरा तुझकौं सौंपता,क्या लागै है मेरा॥

गुरु की महत्ता

दोहे क्र. – 4

सतगुरु की महिमा अनँत,अनँत किया उपकार।
लोचन अनँत उघाड़िया,अनँत दिखावण हार।।

दोहे क्र. – 5

कबीर गुर गरवा मिल्या,रलि गया आटै लूण।
जाति पाँति कुल सब मिटे,नाँव धरौगे कौंण।।

दोहे क्र. – 6

गूंगा हुवा बावला,बहरा हुआ कान।
पाऊँ मैं पंगुल भया,सतगुर मार्या बाण।।

मालिक मुहम्मद जायसी : वियोग वर्णन के पद

पद क्र. - 1

नागमती चितउर पंथ हेरा। पिउ जो गए फिरि कीन्ह न फेरा।
नागरि नारि काहूँ बस परा। तेइँ बिमोहि मोसौं चितु हरा॥
सुवा काल होइ लै गा पीऊ। पिउ नहिं लेत लेत बरु जीऊ।
भएउ नरायन बावन करा। राज करत बलि राजा छरा॥
करन बान लीन्हेउ कै छंदू। भारथ भएउ झिलमिल आनंदू।
मानत भोग गोपीचँद भोगी। लै उपसवा जलंधर जोगी॥
लै कान्हहि भा अकरुर अलोपी। कठिन बिछोउ जिऐ किमि गोपी।
सारस जोरी किमि हरी मारि गएउ किन खग्गि।
झुरि झुरि पाँजरि धनि भई बिरह कै लागी अग्गि॥

पद क्र. - 2

पिय सौं कहेहु सँदेसड़ा, ऐ भँवरा ऐ काग।
सो धनि बिरहें जरि मुई, तेहिक धुआँ हम लाग।
रकत ढरा माँसू गरा, हाड़ भए सब संख।

धनि सारस होइ ररि मुई, आइ समेटहु पंख।।
तुम्ह बिनु कंता धनि हरुई, तन तिनुवर भा डोल।
तेहि पर बिरह जराई कै, चहै उड़ावा झोल।।
यह तन जारौं छार कै, कहौं कि पवन उड़ाउ।
मकु तेहि मारग होइ परौं,कंतधरैं जहँ पाउ।

सूरदास के पद : वात्सल्य वर्णन

पद क्र. – 1

मैया मैं नहि माखन खायो।
भोर भयो गैयन के पाछे, मधुबन मोहि पठायो।
चार पहर बंसीवट भटक्यो,साँझ परे घर आयो॥
मैं बालक बहियन को छोटो,छीको केहि बिधि पायो।
ग्वाल–बाल सब बैर परे हैं, बरबस मुख लपटायो॥
तू माता मन की अति भोरी,इनके कहे पतियायो।
जिय तेरे कछु भेद उपजि हैं, जानि परायो जायो॥
ये लै अपनी लकुटि कमरिया,बहुतहिं नाच नचायो।
सूरदास तब बिहँसि जसोदा,लै उर कंठ लगायो॥

पद क्र. – 2

किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत।
मनिमय कनक नंद कै आँगन,बिंब पकरिबैं धावत ॥
कबहुँ निरखि हरि आपु छाहँ कौं,कर सौं पकरन चाहत।
किलकि हँसत राजत द्वै दतियाँ,पुनि–पुनि तिहिं अवगाहत॥
कनक–भूमि पद कर–पग–छाया,यह उपमा इक राजति।
करि–करि प्रतिपद प्रति मनि बसुधा,कमल बैठकी साजति॥
बाल–दसा–सुख निरखि जसोदा,पुनि–पुनि नंद बुलावति।
अँचरा तर लै ढाँकि,सूर के प्रभु कौं दूध पियावति॥

विरह वर्णन

पद क्र. – 3

गोकुल सबै गोपाल–उपासी।
जोग–अंग साधत जे ऊधो ते सब बसत ईसपुर कासी॥
यद्यपि हरि हम तजि अनाथ करि तदपि रहति चरननि रसरासी
अपनी सीतलताहि न छाँड़त यद्यपि है ससि राहु–गरासी।
का अपराध जोग लिखि पठवत प्रेमभजन तजि करत उदासी
सूरदास ऐसी को बिरहिन माँगति मुक्ति तजे गुनरासी?॥

पद क्र. – 4

उधौ मन ना भए दस बीस।
एक हुतौ सौ गयौ स्याम संग,को आराधे ईस।।
इंद्री सिथिल भई केसव बिनु,ज्यौं देही बिनु सीस।
आसा लागि रहित तन स्वासा,जीवहिं कोटि बरीस।
तुम तौ सखा स्याम सुंदर के,सकल जोग के ईस।
सूर हमारै नंद–नंदन बिनु,और नहीं जगदीस॥

तुलसीदास के पद : भक्ति भावना

पद क्र. – 1

राम नाम जपु जिय सदा सानुराग रे।
कलि न विराग जोग जाग तप त्याग रे॥
सब सुमिरत सब विधि ही को राज रे।
राम को बिसारिबो निषेध सिरताज रे॥
राम नाम महामनि फनि जग जाल रे।
मनि लिए फनि जियै व्याकुल विहाल रे॥
राम नाम कामतरु देत फलचारि रे।
कहत पुरान वेद पंडित पुरारि रे॥
राम नाम प्रेम परमारथ को सार रे।
राम नाम तुलसी को जीवन अधार रे॥

पद क्र. – 2

मेरो भलो कियो राम आपनी भलाई।
हौं तो साईं –द्रोही पै सेवक –हित साईं॥
रामसों बड़ो है कौन,मोसों कौन छोटो।
राम सो खरो है कौन,मोसों कौन खोटो॥
लोक कहै रामको गुलाम हौं कहावौं।
एतो बड़ो अपराध भौ न मन बावौं॥
पाथ माथे चढ़े तृन तुलसी ज्यों नीचो।
बोरत न बारि ताहि जानि आपु सींचो॥

सामाजिक चेतना

पद क्र. – 3

किसबी,किसान-कुल बनिक,भिखारी,भाट,
चाकर,चपल नट,चोर,चार,चेटकी।
पेट को पढ़त,गुन गढ़त,चढ़त गिरि,
अटत गहन–गन अहन अखेट की॥
ऊचे-नीचे करम,धरम–अधरम करि,
पेट ही को पचत,बेचत बेटा –बेटकी।
तुलसी बुझाइ एक राम घनश्याम ही तें,
आगि बड़वागितें बड़ी है आगि पेट की॥

पद क्र. – 4

खेती न किसान को,भिखारी को न भीख,बलि,
बनिक को बनिज,न चाकर को चाकरी।
जीविका विहीन लोग,सिद्यमान सोच बस,
कहैं एक एकन सों,कहाँ जाई,का करि?
वेदहूँ पुरान कही,लोकहूँ विलोकिअत,
साँकरे सबैं पै,राम रावरे कृपा करी।
दारिद –दसानन दबाई दुनी,दीनबंधु !
दुरित–दहन देखि तुलसी हहा करी॥

बिहारी के दोहे : शृंगार वर्णन

दोहे क्र. – 1

कहत,नटत,रीझत,खिझत,मिलत,खिलत,लजियात

भरे भौन मैं करेत हैं नैननु ही सब बात॥

दोहे क्र. – 2
तो पर वारौं उरबसी,सुनि,राधिके सुजान।
तू मोहन कैं उर बसी,है उरबसी–समान॥

दोहे क्र. – 3
सोनजुही सी जगमगति,अँग–अँग जोबन–जोति।
सु–रंग,कसूँभी कंचुकी,दुरँग देह–दुति होति॥

विरह बर्णन दोहे
दोहे क्र. – 4
इति आवति चलि जात उत,चली छसातक हाथ।
चढ़ि हिंडोरे सी रहै,गी उसासन हाथ।।

दोहे क्र. – 5
औंधाई सीसी सुलखि,बिरह विथा विलसात।
बीचहिं सूखि गुलाब गो,छीटों छुयो न गात॥

दोहे क्र. – 6
दीरघ सांस न लेहि दुख सुख साईहिं न भूलि।
दई दई क्यों करतु है दई दई सु कबूलि।।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,छत्रपति संभाजीनगर

(Major-Hindi-Mandatory) Level - 5

DSC – 8 तृतीय सत्र

उपन्यास साहित्य

श्रेयांक - 4 (सैद्धांतिक - 2 ,क्रियात्मक गतिविधि – 2)

अंक - 100 (30+20+30+20) तासिका - 30+60=90

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- छात्रों को उपन्यास विधा की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना।
- उपन्यासों के माध्यम से सामाजिक,राजनीतिक,ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक परिवेश को समझने की दृष्टि विकसित करना।
- छात्रों की भाषिक एवं साहित्यिक अभिव्यक्ति को सशक्त बनाना।
- छात्रों की रचनात्मकता और संवेदनशीलता का संवर्धन करना।
- छात्रों में साहित्य विशेषकर उपन्यास विधा के प्रति रुचि उत्पन्न करना और साहित्यिक अभिरुचि को प्रोत्साहित करना।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- छात्र उपन्यास की कथावस्तु, शिल्प,पात्र और भाषा की संरचना को समझ सकेंगे।
- छात्र समकालीन सामाजिक और सांस्कृतिक समस्याओं की साहित्यिक प्रस्तुति को विश्लेषित कर सकेंगे।
- आपका बंटी के माध्यम से छात्र बाल मनोविज्ञान,पारिवारिक तनाव और स्त्री संघर्ष को समझ पायेंगे।
- गेशे जम्पा के ज़रिए आत्मबोध,निर्वासन और तिब्बती संस्कृति के संवेदनात्मक पक्ष से छात्र परिचित होंगे।
- संवेदनशील विषयों के ज़रिए छात्र आत्मीयता,करुणा और विवेकशीलता जैसे मूल्यों से परिचित होंगे।
- उपन्यास की भाषा,शैली, संवादों और प्रतीकों के अध्ययन से छात्रों की हिंदी भाषा पर पकड़ मज़बूत होगी।
- प्रायोगिक कार्य के माध्यम से छात्रों में शोध प्रवृत्ति और लिखित तथा मौखिक प्रस्तुति में दक्षता प्राप्त होगी।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति।
- दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन,यूट्यूब,मोबाईल।
- स्वाध्याय।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई -1	• उपन्यास की परिभाषा और विशेषताएँ। • हिंदी उपन्यास का विकास संक्षेप में। • हिंदी उपन्यास परंपरा में आपका बंटी और गेशे जम्पा का स्थान **गेशे जम्पा – नीरजा माधव,सामायिक प्रकाशन,दिल्ली** • परिचय व पृष्ठभूमि • तिब्बती शरणार्थी जीवन, सांस्कृतिक पहचान, निर्वासन • मानवतावादी दृष्टिकोण	1	15

	• ऐतिहासिक और राजनैतिक पृष्ठभूमि • तिब्बती जीवन–दर्शन • सांस्कृतिक विमर्श और विश्व–दृष्टि		
इकाई -2	**आपका बंटी – मन्नू भंडारी,राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ल्ली** • परिचय व पृष्ठभूमि • स्त्री–पुरुष संबंध,तलाक,बाल मनोविज्ञान • स्त्री विमर्श का प्रमुख उपन्यास • सामाजिक यथार्थ और मध्यवर्गीय परिवार की त्रासदी • नारीवाद और संवेदनात्मक यथार्थ	1	15
इकाई–3	**क्रियात्मक गतिविधि : (Practical Activite)** आपका बंटी और गेशे जम्पा जैसे गंभीर और संवेदनात्मक उपन्यासों के अध्ययन को छात्रों के लिए अधिक जीवंत,अनुभवात्मक और अर्थपूर्ण बनाने के लिए सृजनात्मक (क्रियात्मक) गतिविधियाँ बहुत उपयोगी हैं। इस दृष्टि से अध्यापक छात्रों के लिए कक्षा में निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन करें। • अध्यापक छात्रों को उपन्यास लेखन के पक्ष को विस्तृत रूप में सौदाहरण समझाएँ। • उपन्यास का मुखर वाचन एवं कथा कथन का अभ्यास करवाएँ। • प्रत्येक छात्र तथा छात्रों के विभिन्न समूह बनाकर उन्हें विशिष्ट विषय सूत्र देकर कथा प्रसंग संवाद लिखने और अभिनय करवाने का अभ्यास करवाएँ। • छात्रों की विषय पर गहन सोच और दृष्टिकोण विकसित करने के लिए वाद-विवाद /समूह चर्चा का आयोजन किया जाए। • छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए उनसे तत्वों के आधार पर उपन्यास की समीक्षा लिखकर लें।	1	15X2=30
इकाई–4	**क्रियात्मक गतिविधि : (Practical Activite)** • सर्वश्रेष्ठ समीक्षा को कक्षा में पढ़ा जाए या प्रदर्शित किया जाए। • छात्र एक पत्रकार की भूमिका में किसी पात्र (बंटी,शकुंतला,गेशे जम्पा आदि) का साक्षात्कार करें। • छात्र एक ऐसा दृश्य लिखें जो उपन्यास में नहीं है लेकिन जो स्वाभाविक रूप से उसमें जोड़ा जा सकता है। • महाविद्यालयीन स्तर पर स्थानीय साहित्यकार एवं विशेषज्ञ को आमंत्रित कर नवलेखक कार्यशाला का आयोजन किया जाए। • छात्रों से सम्बंधित विषय के विभिन्न पहलुओं को लेकर परियोजना कार्य करवाएँ।	1	15X2=30
	छात्र मूल्यांकन सत्रांत पठित पाठ्यक्रम के आधार पर विविध गतिविधियों के माध्यम से छात्र की प्रस्तुति,सोच और मौलिकता को प्रमुखता देकर विशेषज्ञ परीक्षक के द्वारा अंक दिए जाए। **• समीक्षा प्रस्तुति (लिखित/ऑडियो/वीडियो इनमें से एक)** (भूमिका,उपन्यास का सारांश,विषयवस्तु का विश्लेषण पात्रों की भूमिका,लेखकीय शैली और भाषा,छात्र के अपने निष्कर्ष 1200–1500 शब्द) **• दृश्य लेखन एवं मंचन**		

	(किसी एक उपन्यास के आधार पर 5-7 मिनट का नाट्य दृश्य तैयार करना छात्रों को संवाद,दृश्य-संरचना और पात्र तय करने होंगे,एक लघु रिपोर्ट भी दें: "दृश्य क्यों चुना? उद्देश्य क्या था?" 4–6 पृष्ठ • **साहित्यिक पोस्टर/कोलाज** सम्बंधित विषय सूत्र के आधार पर साहित्यिक पोस्टर /कोलाज बनाकर उसकी व्याख्या करें. विषय विकल्प: • **मौखिक प्रस्तुति एवं दृश्य विश्लेषण** छात्रों को 3–5 मिनट में उपन्यास का एक पहलू प्रस्तुत करना होगा,छात्र उपन्यास से एक महत्वपूर्ण दृश्य चुनें और उसका विश्लेषण करें। निर्धारित आवश्यक श्रेयांक प्राप्त करने के लिए छात्र को उपरोक्त विषय बिन्दुओं में से किसी एक गतिविधि को पूर्ण करना अनिवार्य होगा।		

संदर्भ ग्रंथ :

1. उपन्यास का शिल्प,गोपाल राय,बिहार ग्रंथ अकादमी,पटना
2. हिन्दी उपन्यास,रामदरश मिश्र,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
3. उपन्यास स्वरूप और संवेदना,राजेन्द्र यादव,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
4. हिन्दी उपन्यास का इतिहास,गोपाल राय,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,छत्रपति संभाजीनगर

(Minor-Hindi) Level - 5

Minor - 1 तृतीय सत्र

हिंदी फिल्मी गीत अध्ययन

श्रेयांक – 2 (सैद्धांतिक – 2)

अंक 50 (30+20) तासिका – 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- हिंदी फिल्मों के गीतों की अवधारणा एवं स्वरूप का अध्ययन कराना।
- सिनेमा और साहित्य के अंतर्संबंध को समझना।
- सांस्कृतिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य का अध्ययन कराना।
- हिंदी फिल्मी गीतों में भारतीयता की पहचान कराना।
- इस क्षेत्र से सम्बंधित रोजगार के अवसरों का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- छात्र हिंदी फिल्मी गीतों में प्रयुक्त काव्य शैलियों,अलंकारों और भावों को पहचान सकेंगे।
- छात्र यह विश्लेषण कर सकेंगे कि फिल्मी गीत भारतीय समाज,संस्कृति,राष्ट्रप्रेम और जीवनदर्शन को किस प्रकार दर्शाते हैं।
- छात्र प्रमुख गीतकारों और संगीतकारों की शैलियों और रचनात्मकता की पहचान कर सकेंगे।
- छात्र पारिवारिक,सामाजिक,देशभक्ति,जीवनदर्शन तथा स्त्री विषयक गीतों की विशेषताओं को समझ पाएंगे।
- छात्र गीतों के शब्दार्थ,सन्दर्भ,कथ्य और उद्देश्य को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर सकेंगे।
- छात्र उर्दू,हिंदी और लोकभाषाओं के प्रभावों को गीतों में पहचान सकेंगे।
- छात्र यह पहचान सकेंगे कि गीत किस प्रकार जनभावना और सामाजिक विचारधारा को प्रभावित करते हैं।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति।
- दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन,यूट्यूब,मोबाईल।
- गीतकार तथा कवि से साक्षात्कार।
- छात्र गोष्ठी/सेमिनार।
- स्वाध्याय।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई–1	**फ़िल्मी गीत : भूमिका और परिचय** • हिंदी फ़िल्मी गीतों का विकास • गीतों के प्रकार (प्रेम,देशभक्ति,भजन,विरह,सामाजिक आदि) • हिंदी फ़िल्मी गीतों का सामाजिक सन्दर्भ • प्रमुख गीतकार और उनका योगदान • फ़िल्मी गीतों का जनमानस पर प्रभाव **हिंदी फ़िल्मी गीतों का परिवारक पक्ष**	1	15

	• तू कितनी अच्छी है – राजा और रंक (1968) गीतकार आनंद बक्षी • बहना ने भाई की कलाई पर प्यार –रेशम की डोरी (1974) गीतकार शैलेन्द्र • बाबुल जो तुमने सिखाया – हम आपके है कौन (1994) गीतकार रविन्द्र रावल • ओ धरती तरसे अम्बर बरसे – बागबान (2003) गीतकार समीर **हिंदी फ़िल्मी गीतों का सामाजिक पक्ष** • राम रहीम कृष्ण करीम – मेहमान (1973) गीतकार साहिर लुधियानवी • पैसा बोलता है – कला बाजार (1991) गीतकार पयाम सईदी • कितने अजीब रिश्तें है – पेज 3 (2005) संदीप नाथ • कहब तो लग जाई धक् से – आर्टिकल 15 (2019) गीतकार शकील आज़मी		
इकाई -2	**हिंदी फ़िल्मी गीतों का स्त्री विषयक पक्ष** • न कटूँगी न जलूँगी – अस्तित्व (2010) गीतकार श्रीरंग गोडबोले • मुझे क्या बेचेगा रुपैया – सत्यमेव जयते (टी.वी.शो 2012) गीतकार स्वानंद किरकिरे • आज से अब से आन मेरी मैं – मर्दानी (2014) गीतकार कौसर मुनीर • जीते हैं चल – नीरजा (2016) गीतकार प्रसून जोशी **हिंदी फ़िल्मी गीतों का राष्ट्रीय पक्ष** • हम लाये है तूफान से कश्ती निकल के – जागृति (1954) गीतकार प्रदीप • हमने सुना था एक है भारत,सब मुल्कों से एक है भारत – दीदी (1959) गीतकार साहिर लुधियानवी • संदेशे आते है – बॉर्डर (1997) गीतकार जावेद अख्तर • तेरी मिट्टी में मिल जांवा –केसरी (2019) गीतकार मनोज मुन्तशीर **हिंदी फ़िल्मी गीतों का जीवन दर्शन विषयक पक्ष** • किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार – आनाडी (1959) गीतकार शैलेन्द्र • एक प्यार का नगमा है – शोर(1972) गीतकार संतोष आनंद • जिंदगी के सफ़र में गुजर जाते है जो मक़ाम – आपकी कसम (1974) गीतकार आनंद बक्षी • मै पल दो पल का शायर हूँ – कभी कभी (1976) गीतकार साहिर लुधियानवी	1	15
	अध्यापन सम्बन्धी कुछ आवश्यक निर्देश अध्यापक पाठ्यांश को पढ़ाते समय प्रत्येक पक्ष के विषय को छात्रों को विस्तार से समझाएँ। गीत को पढ़ाने से पहले सम्बंधित फिल्म का विषय,उसकी प्रासंगिकता,गीतकार,संगीतकार एवं गीत की विशेषताओं का विश्लेषण करें।उस पक्ष के अन्य गीतों के साथ संदर्भ लगाकर गीत के भाव को समझाएँ। • अध्यापक विविध प्रकार के विषयों के अनुसार छात्रों से गीत लेखन का कार्य करा सकते है। • स्थानीय गीतकारों को आमंत्रित कर या उनके पास जाकर उनका साक्षात्कार ले सकते हैं। • विभाग तथा महाविद्यालय में गीत गायन स्पर्धा एवं गीत लेखन की कार्यशालाओं का आयोजन किया जा सकता है।		

संदर्भ ग्रंथ :

1 हिंदी फिल्मों के गीतकार,अनिल भार्गव,सिने साहित्य प्रकाशन
2 फिल्मी गीतों का सफर,नवीन शर्मा,नोशन प्रेस
3 हिंदी सिनेमा के गीतकार,जावेद हामिद,अतुल्य पब्लिकेशन
4 हिंदी फिल्म गीत कोश,हर मंदिर सिंह हमराज,हमराज पब्लिशर
5 हिंदी फिल्मों में साहित्यिक गीत और गीतकार,प्रमिला त्रिवेदी मिश्,इंडिया नेट बुक्स

6 हिंदी सिनेमा का सामाजिक संदर्भ,डॉ भारती एन.,लोकवाणी समष्ठान
7 गीत फिल्मी है,लेकीन,डॉ. सुनील देवधर,भावना प्रकाशन,दिल्ली
8 बड़े अनमोल गीतों के बोल,डॉ.सुनील देवधर,बुकमार्क पब्लिकेशन,पुणे
9 तू कितनी अच्छी है https://www.saregama.com/song-lyrics/tu-kitni-achhi-hai_7108
10 बहना ने भाई के कलाई पर https://lyricsindia.net/songs/520
11 बाबुल जो तुमने सिखाया..https://beta.lyricsindia.net/songs/1933
12 धरती तरसेhttps://hindi.lyricsgram.com/song/o-dharti-tarse-4116
13 मुझे क्या बेचेगा रुपैया https://geetmanjusha.com/lyrics/23085-mujhe-kya-bechega-rupaiya
14 राम रहीम कृष्णा करीम यीशु https://sahir-ludhianvi.blogspot.com/2012/03/1973-ram-rahim-krishn-karim-yeshu.html?m=1
15 पैसा बोलता है https://www.hindigeetmala.net/song/ye_paisa_bolta_hai.htm
16 कितने अजीब..https://www.hinditracks.in/kitne-ajeeb-rishte-hai-yaha-pe-lyrics
17 कहब तो लग जाई https://www.reddit.com/r/Bhojpuriyas/comments/1f9ooi1/socialist_kavita_kahab_ta_lag_jayi_dhak_se/?rdt=52622
18 जीते है http://hindilyricspratik.blogspot.com/2018/03/jeete-hain-chal-kavita-seth-neerja.html?m=1#gsc.tab=0
19 मर्दानी https://www.hinditracks.in/mardaani-anthem-song-lyrics-in-hindi
20 मैं थी मैं हूं https://thesongpedia.com/main-thi-main-hoon-astitva/
21 तेरी मिट्टी में https://www.lyricsboutique.com/2020/04/teri-mitti-song-lyrics-from-movie-kesari.html?m=1
22 हमने सुना था एक है भारत https://www.amarujala.com/kavya/urdu-adab/sahir-ludhianvi-famous-geet-humne-suna-tha-ek-hai-bhaarat
23 संदेशे आते हैं https://www.amarujala.com/kavya/mere-azeez-filmi-nagme/sandeshe-aate-hain-hum
24 किसी की मुस्कुराहटों पर हो निसार https://www.amarujala.com/kavya/kavita/lyricist-shailendra-song-kisi-ki-muskurahaton-pe-ho-nisar
25 एक प्यार का नगमा हैं https://www.hinditracks.in/ek-pyar-ka-nagma-hai-hindi-lyrics-mukesh-lata
26 मै पल दो पल सा शायर हूँ https://lyricsindia.net/songs/2311
27 जिंदगी के सफ़र में https://geetmanjusha.com/lyrics/195-zindagi

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,छत्रपति संभाजीनगर

(Minor-Hindi) Level - 5

Minor - 2 तृतीय सत्र

साहित्य विविधा

श्रेयांक - 2 (सैद्धांतिक -2)

अंक 50 (30+20) तासिका - 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

- हिंदी की विविध विधाओं की अवधारणा एवं स्वरूप का अध्ययन कराना ।
- विविध विधाओं के माध्यम से छात्रों में भारतीयता की पहचान कराना ।
- विविध विधाओं की रचनाओं के माध्यम् से भारतीय संस्कृति का अध्ययन कराना ।
- मनोरंजन के साथ ही रोजगार के विविध अवसरों का परिचय कराना ।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- छात्र विभिन्न साहित्यिक विधाओं जैसे – कविता,कहानी,व्यंग्य,एकांकी,यात्रा वर्णन,निबंध आदि की पहचान करने एवं उनके स्वरूप को समझने में सक्षम होंगे।
- छात्र प्रत्येक विधा की विशेषताओं,शैलियों एवं संरचनात्मक तत्वों का विश्लेषण करने की क्षमता प्राप्त करेंगे।
- छात्र साहित्यिक रचनाओं का समीक्षात्मक अध्ययन कर सकेंगे तथा उनमें निहित सामाजिक,सांस्कृतिक एवं मानवीय मूल्यों को समझ सकेंगे।
- छात्रों की भाषा,अभिव्यक्ति एवं विश्लेषणात्मक क्षमता में वृद्धि होगी,जिससे वे साहित्य को अधिक प्रभावशाली ढंग से समझ सकेंगे।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति।
- दृक–श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन,यूट्यूब,मोबाईल।
- साहित्यकारों का साक्षात्कार।
- स्वाध्याय।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठयांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई- 1	• कविता – जो मेरे घर कभी नहीं आएंगे – विनोद कुमार शुक्ल • ग़ज़ल – अब तो मज़हब कोई ऐसा भी चलाया जाए– गोपालदास नीरज • हास्य दोहे – हो जाए इसी बहाने एक श्रद्धांजलि – लतीफ घोंघी • व्यंग्य – सदाचार का ताबीज– हरिशंकर परसाई • रेखाचित्र – रजिया – रामवृक्ष बेनीपुरी • संस्मरण – मेरी मां ने मुझे प्रेमचंद का भक्त बनाया – मुक्तिबोध	1	15

इकाई– 2	• आत्मकथा अंश – अग्नि की उड़ान – ए.पी.जे. अब्दुल कलाम • यात्रा वृतांत – आस्था और रोमांच की यात्रा – पवन चौहान • पर्यावरण – हमारे जीवन में वनों का महत्व – कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी • निबंध – साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है – बालकृष्ण भट्ट • कहानी – नेलकटर – उदयप्रकाश • एकांकी – सुखी डाली – उपेन्द्रनाथ अश्क	1	15

पाठ्य पुस्तक : साहित्य विविधा : संपादक .हिंदी अध्ययन मंडल, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का गद्य–सर्जना,डॉ. सुनील विक्रम सिंह,नमन प्रकाशन,दिल्ली
2. हिंदी गद्य की विविध विधाओं का सामान्य परिचय,डॉ.लीलाराम,बुक आर्केड
3. साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएं,डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया,तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली
4. हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाएं,डॉ.कुमारी उर्वशी,हिंदी बुक सेंटर,दिल्ली
5. हिंदी साहित्य का इतिहास,डॉ.नगेन्द्र,नेशनल पब्लिशिंग कंपनी,नई दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का इतिहास,आ.रामचंद्र शुक्ल,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,छत्रपति संभाजीनगर

(Generic/OE-Hindi) Level - 5

Generic/OE – 3 तृतीय सत्र

हिंदी व्यंग्य साहित्य

श्रेयांक - 2 (सैद्धांतिक -2)

अंक - 50 (30+20) तासिका - 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- व्यंग्य की अवधारणा एवं स्वरूप का अध्ययन कराना।
- हिंदी व्यंग्य साहित्य (विधा) से छात्रों को अवगत कराना।
- व्यंग्य साहित्य के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों से परिचित कराना।
- व्यंग्य के जरिए सामाजिक जागृति कराना।
- हिंदी व्यंग्य साहित्यकारों एवं परंपरा की पहचान कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- छात्र हिंदी की अहम विधा व्यंग्य को समझेंगे।
- छात्र व्यंग्य साहित्य के योगदान को समझेंगे।
- छात्र सामाजिक भ्रष्टाचार, विसंगतियाँ और विद्रूपताओं को समझेंगे।
- छात्रों में सामाजिक जागरूकता का भाव निर्माण होगा।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति।
- दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन,यूट्यूब,मोबाईल)।
- साहित्यकारों से साक्षात्कार।
- छात्र संगोष्ठी / संवाद।
- स्वाध्याय।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई -1	**हिंदी व्यंग्य : स्वरुप और विकास** • व्यंग्य : अर्थ एवं परिभाषा • हिंदी व्यंग्य : तात्पर्य एवं स्वरूप • हिंदी व्यंग्य : उद्भव और विकास **हास्य-व्यंग्य** १) हरिशंकर परसाई : भोलाराम का जीव २) लतीफ घोंघी : सावधान हम ईमानदार ३) शरद जोशी : हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे ४) बनारसीदास चतुर्वेदी : उधार माँगना भी एक कला है	1	15

इकाई -2	५) सूर्यबाला : प्रभुजी तुम डॉलर हम पानी ६) शंकर पुणताम्बेकर : पाँचवी शक्ति **निबंध** ७) बालमुकुंद गुप्त : विदाई संभाषण **विचार** ८) विष्णु नागर : ठंड के मौसम में गर्म है मुर्खता **हास्य- व्यंग्य कविताए** ९) आशकरण अटल : मीडिया:एक १०) काका हाथरसी : पुलिस-महिमा	1	15

पाठ्य पुस्तक : हिंदी व्यंग्य साहित्य : संपादक.हिंदी अध्ययन मंडल,डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

संदर्भ ग्रंथ:

1. आधुनिक हिंदी व्यंग्य,लक्ष्मीकांत जैन,भारतीय ज्ञानपीठ,नई दिल्ली
2. हिंदी व्यंग्य का इतिहास,सुभाष चंदर,भावना प्रकाशन,दिल्ली
3. मेरी इक्यावन व्यंग्य रचनाएँ,नरेन्द्र कोहली,डायमंड पॉकेट बुक्स,दिल्ली
4. श्रीलाल शुक्ल: व्यंग्य के विविध आयाम,डॉ.अर्चना दुबे, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
5. आधुनिक हिन्दी हास्य,व्यंग्य-सं.केशव चन्द्र वर्मा,भारतीय ज्ञानपीठ,काशी
6. हिंदी गद्य लेखन में व्यंग्य और विचार,सुरेशकांत,राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. हिंदी व्यंग्य का स्वरूप और मूल्यांकन,डॉ. अरविंदकुमार उपाध्याय,रूद्र प्रकाशन नई दिल्ली
8. हिंदी साहित्य में व्यंग्य और यथार्थ,डॉ.शंभुनाथ द्विवेदी,आशा प्रकाशन,कानपूर

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय,छत्रपति संभाजीनगर

(Vocational Skill Course- Hindi) Level – 5

VSC -2 तृतीय सत्र

अनुवाद स्वरूप और प्रक्रिया

श्रेयांक – 2 (सैद्धांतिक – 1, क्रियात्मक गतिविधि – 1)

अंक – 100 (30+20+30+20) तासिका – 15+30=45

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- अनुवाद के स्वरूप एवं प्रक्रिया को समझना।
- अनुवाद के महत्व को समझना।
- अनुवाद कौशल का विकास करना।
- अनुवाद की रोजगारपरकता को स्पष्ट करना।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- छात्र अनुवाद के स्वरूप एवं प्रक्रिया को समझेंगे।
- अनुवाद के महत्व एवं उपयोगिता का बोध होगा।
- छात्र अनुवाद के माध्यम से अन्य भाषाओं में निहित ज्ञान एवं भाषाई कौशल को अर्जित करेंगे।
- छात्रों में अनुवाद कौशल का विकास होगा।
- अनुवादक के रूप में रोजगार के नये अवसर प्राप्त होंगे।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति।
- दृक - श्राव्य माध्यमों का प्रयोग।
- समूह चर्चा /अनुवाद कार्यशाला।
- अनुवादक साक्षात्कार एवं व्याख्यान।
- प्रायोगिक कार्य।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई – 1	• अनुवाद : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप • अनुवाद प्रक्रिया : पाठ विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन • अनुवादक के गुण • अनुवाद : विज्ञान अथवा कला • अनुवाद के प्रकार : विषय क्षेत्र के आधार पर अनुवाद के प्रकार साहित्यिक अनुवाद (कथानुवाद, काव्यानुवाद, नाट्यानुवाद, विविध साहित्यिक विधाओं का अनुवाद) • साहित्येत्तर अनुवाद (कार्यालयीन अनुवाद,मीडिया अनुवाद,वैज्ञानिक एवं तकनीकी सामग्री का अनुवाद,फिल्म अनुवाद) • प्रकृति के आधार पर अनुवाद के प्रकार (शब्दानुवाद, सहजानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद,व्याख्यानुवाद,वार्तानुवाद)	1	15

	• अनुवाद : महत्व एवं उपयोगिता • अनुवाद : रोजगार की संभावनाएं		
इकाई – 2	**क्रियात्मक गतिविधि : (Practical Activite)** इस पाठ्यक्रम में क्रियात्मक कार्य का उद्देश्य छात्रों को अनुवाद के स्वरूप एवं प्रक्रिया का परिचय देकर उनमें अनुवाद कौशल का विकास करना है। इस दृष्टि से अध्यापक छात्रों के लिए अपनी कक्षा में निम्नलिखित क्रियात्मक गतिविधियों का आयोजन करें। • अन्य भाषा की किसी साहित्यिक रचना अथवा रचनांश का हिंदी में अनुवाद करें। • अन्य भाषा की किसी साहित्येत्तर सामग्री का हिंदी में अनुवाद करें। • अन्य भाषा की किसी समाचार पत्र के समाचार का हिंदी में अनुवाद करें। • अन्य भाषा की किसी फिल्म पटकथा ,पटकथांश फिल्मीगीत का हिंदी में अनुवाद करें। • अनुवाद प्रक्रिया को पाठ विश्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन आदि सोपानों के आधार पर प्रस्तुत करें। • अनुवादक के गुणों को लेकर छात्रों में चर्चा सत्र का आयोजन करें। • अनुवादक के व्याख्यान एवं साक्षात्कार का आयोजन करें। • साहित्यिक अनुवाद एवं साहित्येत्तर अनुवाद की विशेषताओं को समझाएं। • छात्रों से साहित्यिक एवं साहित्येत्तर अनुवाद कार्य का अभ्यास करवाएं।	1	15X2=30
	छात्र मूल्यांकन सत्रांत में पठित पाठ्यक्रम एवं अभ्यास के आधार पर विविध गतिविधियों के माध्यम से छात्र का अंतर्गत मूल्यांकन कर विशेषज्ञ परीक्षक के द्वारा अंक दिए जाए। 1. छात्र अन्य भाषा के किसी भी साहित्यिक रचना अथवा रचनांश का हिंदी में अनुवाद करें। 2. छात्र अन्य भाषा के किसी भी साहित्येत्तर सामग्री का हिंदी में अनुवाद करें। 3. छात्र अन्य भाषा के किसी भी समाचार पत्र के समाचार का हिंदी में अनुवाद करें। 4. छात्र अन्य भाषा की किसी फिल्म पटकथा ,पटकथांश फिल्मीगीत का हिंदी में अनुवाद करें। निर्धारित आवश्यक श्रेयांक प्राप्त करने के लिए छात्र को उपर्युक्त चार में से किसी भी एक गतिविधि को लेकर अनुवाद कार्य को कम से कम पांच पृष्ठों में पूर्ण करना अनिवार्य है।		

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुवाद प्रक्रिया और स्वरूप,डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया,तक्षशिला प्रकाशन,दरियागंज नई दिल्ली
2. अनुवाद प्रक्रिया,डॉ.रीतारानी पालीवाल, साहित्यनिधि विश्वासनगर,दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयुक्ति और अनुवाद,डॉ.माधव सोनटक्के, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
4. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा,डॉ.सुरेश कुमार,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
5. अनुवाद विज्ञान,सम्पा . डॉ . नगेन्द्र,दिल्ली विश्वविद्यालय,दिल्ली
6. प्रयोजनमूलक हिंदी सिध्दांत और प्रयोग,दंगल झाल्टे,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक हिंदी,विनोद गोदरे,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

Fourth Semester

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,छत्रपति संभाजीनगर

(Major - Hindi - Mandatory) Level - 5

DSC – 9 चतुर्थ सत्र

आधुनिक हिंदी कविता

श्रेयांक – 4 (सैद्धांतिक – 2 , क्रियात्मक गतिविधि -2)

अंक –100 (30+20+30+20) तासिका– 30+60=90

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

- आधुनिक हिंदी कविता के महत्व को रेखांकित करना।
- आधुनिक हिंदी कविता की विषय वस्तु एवं कवि के दृष्टिकोण का परिचय कराना।
- आधुनिक हिंदी कविता के विविध रूपों को समझना।
- विविध कवियों की कविताओं का मूल्यांकन कराना।
- हिंदी के आधुनिक कवियों का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- छात्र हिंदी की आधुनिक कविता को समझेंगे।
- छात्र आधुनिक हिंदी कविता के विविध रूपों को समझेंगे।
- छात्र हिंदी के आधुनिक कवियों से परिचित होंगे।
- छात्र आधुनिक हिंदी कविता की विषय वस्तु एवं कवि के दृष्टिकोण को समझेंगे।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पध्दति।
- दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन,यूट्यूब,मोबाईल)।
- कवियों से साक्षात्कार।
- छात्र काव्यगोष्ठी।
- स्वाध्याय।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई - 1	१. मैथिलीशरण गुप्त : नर हो,न निराश करो मन को २. रामधारी सिंह दिनकर : हमारे कृषक ३. गोपाल सिंह नेपाली : बाबुल तुम बगिया के तरुवर ४. सोहनलाल द्विवेदी : कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती ५. रामनरेश त्रिपाठी : वह देश कौन-सा है? ६. महादेवी वर्मा : मैं नीर भरी दुख की बदली	1	15
इकाई - 2	७. नागार्जुन : मेरी भी आभा है इसमें ८. अज्ञेय : नदी के द्वीप ९. अनामिका : वृद्धाएँ धरती की नमक हैं १०. कात्यायनी : जानने-सीखने-पढ़ने-लिखने के बारे में कुछ बातें ११.अरुण कमल : धार १२.मंगलेश डबराल : मैं चाहता हूँ	1	15

इकाई - 3	**क्रियात्मक गतिविधि: (Practical Activite)** इस पाठ्यक्रम में क्रियात्मक कार्य का उद्देश्य छात्रों को काव्य विधा के लेखन एवं पठन का परिचय देकर उनमें काव्य लेखन और पठन की रुचि को उत्पन्न करना है। इस दृष्टि से अध्यापक छात्रों के लिए अपनी कक्षा में निम्नलिखित विविध गतिविधियों का आयोजन करें। ● कविता क्या है? कविता का स्वरूप और महत्व, साहित्य में कविता का स्थान, काव्य के तत्व,काव्य की संरचना,काव्य के प्रकार, कविता का उद्देश्य, कविता की विशेषताएँ,आधुनिक काव्य लेखन की परंपरा। ● काव्य लेखन और रचना प्रक्रिया, काव्य साहित्य का विस्तृत परिचय ● छात्रों के समूह बनाकर विविध प्रसंगानुरूप एवं छात्रों की रुचि को ध्यान में रखते हुए विषय देकर कविता लिखने और पाठ करने का अभ्यास करवाएँ। अध्यापक स्वयं क्रिया कलापों में सहभागी हो।	1	15X2=30
इकाई - 4	**क्रियात्मक गतिविधि: (Practical Activite)** • छात्रों को अलग अलग कविता लेखन और काव्यपाठ करना सिखाएँ उसके माध्यम से काव्याभिव्यक्ति करने का अभ्यास करवाएँ, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ने में मदद होगी। • अध्यापक छात्रों को हिंदी की कालजयी कविताओं का परिचय दें। • काव्य वाचन एवं अस्वादन तथा कविता समीक्षा के स्वरूप को समझाएँ महाविद्यालयीन स्तर पर स्थानीय कवि एवं समीक्षक तथा विशेषज्ञ की उपस्थिति में काव्य गोष्ठी का आयोजन करें।	1	15X2=30
	छात्र मूल्यांकन सत्रांत पठित पाठ्यक्रम एवं अभ्यास के आधार पर विविध गतिविधियों के माध्यम से छात्र का अंतर्गत मूल्यांकन कर विशेषज्ञ परीक्षक के द्वारा अंक दिए जाए। 1. तत्वों के आधार पर कविता की समीक्षा करना। (व्यक्तिगत गतिविधि) 2. समसामयिक प्रासंगिक किसी भी विषय अथवा समस्या पर काव्य लेखन एवं काव्यापाठ कर सकते हैं। प्रत्यक्ष प्रस्तुति अथवा मोबाईल द्वारा वीडियो क्लिप बनाइए (न्यूनतम अवधि 5 मिनट) (सामूहिक गतिविधि) 3. हिंदी की किसी भी कविता का मंचन करना। प्रत्यक्ष प्रस्तुति अथवा मोबाईल द्वारा वीडियो क्लिप बनाए। (न्यूनतम अवधि 5 मिनट) (व्यक्तिगत एवं सामूहिक गतिविधि) 4. किसी सामाजिक समस्या एवं प्रसंग को आधार बनाकर एकल काव्य प्रस्तुति करना। प्रत्यक्ष प्रस्तुति अथवा मोबाईल द्वारा वीडियो क्लिप बनाएँ (न्यूनतम अवधि 5 मिनट) निर्धारित आवश्यक श्रेयांक प्राप्त करने के लिए छात्र को उपर्युक्त चार में से किसी भी एक गतिविधि में सहभागी होकर कार्य को पूर्ण करना अनिवार्य है।		

पाठ्य पुस्तक : आधुनिक हिंदी कविता: संपादक.हिंदी अध्ययन मंडल,डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

संदर्भ ग्रंथ :

1. समकालीन हिंदी कविता,विश्वनाथप्रसाद तिवारी,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
2. आधुनिक कवि,विश्वंभरमानव,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
3. समकालीन हिन्दी कविता,सं.परमानंद श्रीवास्तव,साहित्य अकादमी दिल्ली
4. हिन्दी के प्रतिनिधि आधुनिक कवि,द्वारकाप्रसाद सक्सेना,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
5. कविता के नए प्रतिमान,नामवर सिंह,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
6. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास,डॉ.बच्चनसिंह,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास,डॉ.बच्चनसिंह,राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली
8. आधुनिक हिन्दी कविता,विश्वनाथप्रसाद तिवारी,अभिजीत प्रकाशन,नई दिल्ली
9. कविता आज,ए. अरविंदाक्षण आनंद प्रकाशन,कोलकाता

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
संभाजीनगर

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,छत्रपति संभाजीनगर

(Major - Hindi - Mandatory) Level - 5

DSC –10 चतुर्थ सत्र

कथेत्तर गद्य साहित्य

श्रेयांक – 4 (सैद्धांतिक -2 , क्रियात्मक गतिविधि – 2)

अंक – 100 (30+20+30+20) तासिका – 30+60=90

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

- हिंदी के कथेत्तर गद्य साहित्य से परिचय कराना।
- साहित्य,संवेदना का विकास कराना।
- रिपोर्ताज एवं जीवनी साहित्य से छात्रों को अवगत कराना।
- छात्रों में भावनात्मक एवं चारित्रिक गुणों को विकसित कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- छात्रों को कथेत्तर गद्य विधा का सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा।
- पाठ्यक्रम के पठन से छात्रों में भावनात्मक और संवेदनात्मक गुणों का निर्माण होगा।
- पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों में लेखन और सम्यक दृष्टी का विवेक उत्पन्न होगा।
- पाठ्यक्रम मे अन्तर्निहित जीवन मूल्यों से जुड़कर छात्र अपने नैतिक और चारित्रिक गुणों का विकास करने में सक्षम होंगे।
- छात्रों में कथेत्तर गद्य लेखन की क्षमता निर्माण होगी।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पध्दति।
- दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन,यूट्यूब,मोबाईल)।
- स्वाध्याय।

पाठ्यकम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई - 1	• हिंदी कथेत्तर गद्य साहित्य : स्वरुप तथा विकास (रिपोर्ताज एवं जीवनी साहित्य) • रिपोर्ताज : युद्ध यात्रा – धर्मवीर भारती	1	15
इकाई - 2	• जीवनी : प्रेमचंद घर में - शिवरानी देवी	1	15
इकाई - 3	**क्रियात्मक गतिविधि: (Practical Activite)** • छात्रों को विविध युद्धध प्रसंग का वर्णन सुनाया जा सकता है । • युद्ध से संबंधित हिंदी फिल्में दिखाई जा सकते हैं । • स्थानीय क्षेत्र के भारतीय सैनिक आदि के व्याख्यान आयोजित किय जा सकते हैं।	1	15X2=30

इकाई - 4	**क्रियात्मक गतिविधि: (Practical Activite)** • विविध रिपोर्ताज का वाचन किया जा सकता है। • स्थानीय साहित्यकारों से साक्षात्कार किया जा सकता है। • स्थानीय साहित्यकारों की जीवनी पर चर्चा की जा सकती है। • इस संबंध में विविध कार्यशालाओं का आयोजन किया जा सकता है।	1	15X2=30
	छात्र मूल्यांकन सत्रांत पठित पाठ्यक्रम के आधार पर विविध गतिविधियों के माध्यम से छात्र की प्रस्तुति,सोच और मौलिकता को प्रमुखता देकर विशेषज्ञ परीक्षक के द्वारा अंक दिए जाए। • **समीक्षा प्रस्तुति (लिखित/ऑडियो/वीडियो इनमें से एक)** भूमिका,रिपोर्ताज तथा जीवनी का सारांश,विषयवस्तु का विश्लेषण पात्रों की भूमिका,लेखकीय शैली और भाषा,छात्र के अपने निष्कर्ष 1200–1500 शब्द • **साहित्यिक पोस्टर /कोलाज** सम्बंधित विषय सूत्र के आधार पर साहित्यिक पोस्टर/कोलाज बनाकर उसकी व्याख्या करें. विषय विकल्प: • **मौखिक प्रस्तुति एवं दृश्य विश्लेषण** छात्रों को 3–5 मिनट में रिपोर्ताज अथवा जीवनी का एक पहलू प्रस्तुत करना होगा,छात्र रिपोर्ताज अथवा जीवनी से एक महत्वपूर्ण दृश्य चुनें और उसका विश्लेषण करें। निर्धारित आवश्यक श्रेयांक प्राप्त करने के लिए छात्र को उपरोक्त विषय बिन्दुओं में से किसी एक गतिविधि को पूर्ण करना अनिवार्य होगा।		

पाठ्य पुस्तक :

1. रिपोर्ताज : युद्ध यात्रा – धर्मवीर भारती,वाणी प्रकाशन,दिल्ली
2. जीवनी : प्रेमचंद घर में – शिवरानी देवी,सरस्वती प्रेस बनारस

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी का कथेत्तर गद्य परंपरा और प्रयोग,दयानिधि मिश्र,वाणी प्रकाशन
2. हिंदी साहित्य का कथेत्तर गद्य,सर्जना,डॉ. सुनील विक्रम सिंह,नमन प्रकाशन
3. कथेत्तर गद्य साहित्यकार धर्मवीर भारती,डॉ. लक्ष्मी मनशेट्टी,साहित्य सागर प्रकाशन,कानपुर
4. हिंदी का जीवनी साहित्य विमर्श एवं विश्लेषण,डॉ.चित्रा यादव,एम.बी पब्लिशर्स

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,छत्रपति संभाजीनगर

(Minor-Hindi) Level - 5
Minor - 3 चतुर्थ सत्र
हिंदी मंचीय कविता

श्रेयांक - 2 (सैद्धांतिक –2)
अंक – 50 (30+20) तासिका - 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

- मंचीय कविता से छात्रों को परिचित कराना।
- मंचीय कविता के प्रस्तुति का सम्यक ज्ञान देना।
- मंचीय कविता का रसास्वादन एवं सृजन क्षमता का विकास करना।
- आत्मविश्वास,रचनात्मकता और सांस्कृतिक समझ को प्रोत्साहित करना।
- भाषा और अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना।

पाठ्यक्रम का परिणाम (Course Learning Outcomes)

- छात्रों में मंचीय कविता प्रस्तुति का कौशल विकसित होगा।
- रोजगार परक आयाम से छात्र अवगत होंगे।
- मंचीय कविता की मूल संवेदना को छात्र समझेंगे।
- मौलिक काव्य सृजन भाव विकसित होगा।
- साहित्यिक समझ में विस्तार होगा।

अध्ययन अध्यापन पद्धति:

- व्याख्यान पध्दति।
- दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन,यूट्यूब,मोबाईल)।
- सेमिनार।
- काव्यपाठ कार्यक्रम आयोजन।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई -1	**भूमिका एवं परिचय** • मंचीय कविता की परिभाषा और विशेषताएँ • कविता और मंचीय कविता का स्वरुप • हिंदी के प्रचार प्रसार में मंचीय कविता का योगदान। • प्रमुख मंचीय कवियों का परिचय। **मंचीय कवि और कविता** १. शिवमंगल सिंह सुमन : जिस जिस पथ पर स्नेह मिला २. ज्ञानवती सक्सेना : जीवन क्या है एक खिलौना ३. बालकवि बैरागी : करोड़ों सूर्य लेकिन सूर्य है बस नाम के है	1	15

	४. ओम व्यास : पिता ५. कुंवर बेचैन : तू प्यार के छींटे देता चल ६. हरिओम पवार : शहीदों की याद में		
इकाई -2	७. अशोक चक्रधर : इच्छा शक्ति ८. सरिता शर्मा : निरंतर चल रही हूँ मै ९. अर्जुन सिसोदिया : युद्ध नहीं जिनके जीवन में १०. अंकिता सिंह : फूल हरसिंगार वाले ११. राहुल अवस्थी : चरणों में हिंदी महासागर १२. गजेन्द्र प्रियांशु : भीष्म की व्यथा	1	15

पाठ्य पुस्तक : हिंदी मंचीय कविता : संपादक.हिंदी अध्ययन मंडल,डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी कविता का विकास,आनंद कुमार,ई-पुस्तक
2. हिंदी कवि सम्मेलनों और मंचीय कवियों का साहित्यिक योगदान: विशेष,लक्ष्मी वीणा,प्रगति प्रकाशन आगरा
3. कविता : नए संदर्भ का विकास,डॉ.राजेंद्र मिश्र,तक्षशिला प्रकाशन,दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,छत्रपति संभाजीनगर

(Minor - Hindi) Level – 5

Minor - 4 चतुर्थ सत्र

भारतीय कहानी साहित्य

श्रेयांक – 2 (सैद्धांतिक – 2)

अंक – 50 (30+20) तासिका – 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- भारतीय कहानी साहित्य के स्वरूप को समझना।
- भारतीय कहानी साहित्य के महत्व को समझना।
- भारतीय कहानी साहित्य में व्यक्त भारतीयता की पहचान कराना।
- साहित्यिक अनुवाद के आस्वादन एवं मूल्यांकन को विकसित करना।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- छात्र भारतीय कहानी साहित्य के स्वरूप को समझेंगे।
- भारतीय कहानी साहित्य के महत्व एवं अध्ययन की आवश्यकता का बोध होगा।
- छात्रों को भारतीय कहानियों के माध्यम से भारतीयता की पहचान होगी।
- छात्रों में साहित्यिक अनुवाद के आस्वादन एवं मूल्यांकन का विकास होगा।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति।
- नव इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का प्रयोग।
- चर्चा-परिचर्चा,संवाद पद्धति।
- गृहकार्य,अंतर्गत मूल्यांकन।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई – 1	• भारतीय कहानी साहित्य का स्वरूप • भारतीय कहानी साहित्य का विकासात्मक परिचय पाठ्यक्रम में समाविष्ट भारतीय कहानी १. दुनिया का अनमोल रतन - प्रेमचंद (हिंदी) २. रोटी का स्वाद - शंकर पाटील (मराठी) ३. तहसीलदार के पिता - तकषि शिवशंकर पिल्लई (मलयालम)	1	15

इकाई – 2	४. अधूरे मनुष्य - डी. जयकान्तन (तमिल) ५. बृहस्पतिवार का व्रत - अमृता प्रीतम (पंजाबी) ६. दही वाली मंगम्मा - मास्ती वेंकटेश अय्यंगार (कन्नड) ७. भगवान की खोज में - श्री रावूरी भरद्वाज (तेलुगु) ८. आदाब - समरेश बसु (बांग्ला)	1	15

पाठ्य पुस्तक : भारतीय कहानी साहित्य: संपादक.हिंदी अध्ययन मंडल, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य,डॉ. नगेंद्र,प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली
2. भारतीय साहित्य,डॉ. मूलचंद गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली
3. भारतीय साहित्य,डॉ. लक्ष्मीकांत पांडेय, ज्ञानोदय प्रकाशन,कानपुर
4. भारतीय श्रेष्ठ कहानियां,प्रबन्ध सम्पा. सन्हैयालाल ओझा,सह सम्पा.मार्कण्डेय,लोकभारती प्रकाशन,प्रयागराज
5. भारतीय भाषाओं की श्रेष्ठ कहानियां,सम्पा.सत्येन्द्र शरत्,हिमांशु जोशी,किताबघर प्रकाशन,दिल्ली
6. अधूरे मनुष्य,डी. जयकान्तन,भारतीय ज्ञानपीठ,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली

प्रो.अर्पणा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,छत्रपति संभाजीनगर

(Generic/OE - Hindi) Level – 5

GE/OE- 4 चतुर्थ सत्र

हिंदी गजल साहित्य

श्रेयांक - 2 (सैद्धांतिक – 2)

अंक - 50 (30+20) तासिका - 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

- हिंदी गजल की परंपरा से परिचित कराना।
- गजलकारों के व्यक्तित्व और काव्यगत परिवेश से अवगत कराना।
- मानवीय मूल्यों की प्रतिष्ठा कराना।
- भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक मूल्यों का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिंदी ग़ज़ल की परंपरा और उससे संबंधित गजलकारों से परिचित होंगे।
- भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक मूल्यों का परिचय होगा।
- मानवीय मूल्यों से अवगत से होंगे।
- साहित्यिक मनोरंजन के साथ यथार्थ से परिचय होगा।

अध्ययन अध्यापन पद्धति:

- व्याख्यान पद्धति।
- समूह चर्चा।
- दृक्-श्राव्य माध्यम।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई -1	• ग़ज़ल की परिभाषा एवं व्यत्पत्तिगत अर्थ • हिंदी ग़ज़ल का इतिहास १. दुष्यन्त कुमार - ये सारा जिस्म झुक कर कैसे मंज़र सामने आने लगे हैं २. चंद्रसेन विराट - तुम कभी थे सूर्य व्यर्थ ही प्रकरण उछाला जा रहा है ३. कुंवर बेचैन - ये लफ्ज़ आईने हैं मत इन्हें उछाल खुद को नज़र के सामने ला	1	15

इकाई –2	४. आदम गोंडवी - ये बात कह रहा हूँ मैं वो जिसके हाथ में छाले है ५. ज़हीर कुरैशी - बहुत से लोग वे शायरों की कलम ६. ज्ञान प्रकाश विवेक - मशीनी दौर में ऐसी तरक्कियां गाँव इतना ज़ियादा बदल जाएगा	1	15

पाठ्य पुस्तक : हिंदी गजल साहित्य: संपादक. हिंदी अध्ययन मंडल, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी गजल उद्भव और विकास,डॉ रोहिताश अस्थाना,सुनील साहित्य सदन,नई दिल्ली
2. हिंदी ग़ज़ल का शिल्प और सौंदर्य,डॉ राजेंद्र वर्मा, श्वेतवर्ण प्रकाशन,दिल्ली
3. हिंदी ग़ज़ल का वर्तमान दशक,डॉ.सरदार मुजावर,वाणी प्रकाशन दरियागंज,नई दिल्ली
4. गजलकार जहीर कुरेशी की काव्य दृष्टि,डॉ.मधु खराटे,विद्या प्रकाशन कानपुर
5. समकालीन हिंदी गजल परंपरा और विकास,अनिरुद्ध सिन्हा,आर.एस.वी.पी.प्रकाशन,नई दिल्ली
6. हिंदी ग़ज़ल की विकास यात्रा,ज्ञान प्रकाश विवेक हरियाणा साहित्य अकादमी,चंडीगढ़

अपर्णा पाटील

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,छत्रपति संभाजीनगर

(Skill Enhancement Course - Hindi) Level – 5

SEC – 2 चतुर्थ सत्र

फीचर लेखन

श्रेयांक - 2 (सैद्धांतिक - 1,क्रियात्मक गतिविंधि -1)

अंक- 50 (30+20) तासिका - 15+30=45

पाठयक्रम का उद्देश्य:

- छात्रों को फीचर के संदर्भ में जानकारी देना।
- छात्रों में फीचर लेखन कला को विकसित करना।
- फीचर लेखन की उपयोगता को समझाना।
- फीचर लेखन और रोजगार के सुअवसर बताना।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- छात्र फीचर लेखन की उपयुक्तता को समझेंगे।
- छात्रों में फीचर लेखन का कौशल विकसित होगा।
- छात्र फीचर लेखन के क्षेत्र से जुडेंगे।
- छात्र फीचर लेखन को रोजगार का साधन के रूप में देखेंगे।
- फीचर लेखन से विषय की गहराई तक जाने की क्षमता छात्रों में विकसित होगी।

अध्ययन अध्यापन पद्धति:

- व्याख्यान पध्दति।
- दृक श्राव्य माध्यमों का प्रयोग।
- छात्र संगोष्ठी।
- साक्षात्कार।
-

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठयांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई –1	• फीचर लेखन – परिचय, अर्थ • फीचर का स्वरूप • फीचर की संरचना • फीचर का महत्व • फीचर लेखन की विशेषताएं • फीचर लेखन के सामग्री स्त्रोत • फीचर लेखन की प्रक्रिया • फीचर के प्रकार • फीचर लेखक के गुण	1	15

	• फीचर की उपयोगिता • फीचर लेखन के क्षेत्र – सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, पर्यावरण, विज्ञान, क्रीडा		
इकाई – 2	**क्रियात्मक गतिविधि (Practical Activite)** छात्रों को विविध अखबारों में प्रकाशित फीचरों को संकलित करने के लिए कहें। • प्रत्यक्ष फीचर लेखकों से वार्तालाप करें। • अखबार के कार्यालयों में भेंट कर फीचर लेखन के संदर्भ में जानकारी हासिल करें। • छात्रों को फीचर के विविध प्रकारानुसार फीचर लेखन के लिए कहा जाए। • महाविद्यालय में घटित किसी विशेष प्रसंग पर फीचर लिखा जाए। • व्यक्ति विशेष फीचर के लिए प्रश्न तैयार किए जाए। • किसी फीचर लेखक को महाविद्यालय में बुलाकर फीचर लेखन और रोजगार इस विषय पर वार्ता का आयोजन करें। • छात्रों को कोई विषय देकर फीचर लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाए।	1	15X2=30
	छात्र मूल्यांकन पठित पाठयक्रम पर आधारित निम्न में से कोई दो गतिविधियों के माध्यम से छात्रों का अंतर्गत मूल्यांकन कर विशेषज्ञ परीक्षक द्वारा अंक दिया जाए। • छात्रों को कुछ विषय देकर उनसे फीचर लिखवाएं जाए। • विभिन्न अखबारों में प्रसिध्द 10 फिचरों का संकलन प्रस्तुत किया जाए। • फीचर लेखक का साक्षात्कार लिया जाए। • फीचर लेखन की उपयोगिता से संबंधित पीपीटी प्रस्तुत करें। निर्धारित आवश्यक श्रेयांक प्राप्त करने के लिए छात्र को उपर्युक्त चार में से एक या इससे संबंधित किसी अन्य प्रात्यक्षिक गतिविधि कार्य को पूर्ण करना अनियार्य है।		

संदर्भ ग्रंथ :

1. फीचर लेखन,पी के आर्य,प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली
2. समाचार एवं फीचर लेखन,संपा .डॉ .संजीव भानावत,राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी
3. समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला,प्रो .हरिमोहन,तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली
4. फीचर लेखन दृष्टि और सृष्टि,डॉ .पूरनन्चंद टंडन,डॉ .सुनीलकुमार तिवारी,संजय प्रकाशन

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,छत्रपति संभाजीनगर

(Ability Enhancement Course - Hindi) Level – 5

AEC-4 चतुर्थ सत्र

हिंदी भाषा : सम्प्रेषण कौशल

श्रेयांक - 2 (सैद्धांतिक – 2)

अंक - 50 (30+20) तासिका - 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- सम्प्रेषण के स्वरूप,सिद्धांत एवं प्रक्रिया से परिचित कराना।
- सम्प्रेषण के विविध माध्यमों (मौखिक,लिखित,अशाब्दिक) की जानकारी देना।
- प्रभावी सम्प्रेषण के गुणों का विकास करना।
- भाषाई दक्षता और व्यावहारिक भाषा कौशल को बढ़ावा देना।
- संचार माध्यमों के लिए लेखन कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- सम्प्रेषण की अवधारणा और प्रक्रिया की समझ विकसित होगी।
- सम्प्रेषण की तकनीक और कार्यशैली की बहुआयामी समझ।
- छात्रों को लेखन का व्यावहारिक ज्ञान होगा।
- मीडिया के विभिन्न रूपों के लिए लेखन क्षमता को बढ़ावा मिलेगा।
- भाषाई सम्प्रेषण और संवाद के विविध पक्षों की समझ उत्पन्न होगी।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पध्दति।
- दृक श्राव्य माध्यमों का प्रयोग।
- साक्षात्कार।

प्रत्यक्ष व्याख्यान देने के अतिरिक्त ध्यान मुख्य रूप से मिश्रित ज्ञानार्जन पर केन्द्रित किया जाएगा। इसमें परियोजना आधारित ज्ञानार्जन,प्रदर्शन,समूह परिचर्चा,अनुरूपता इत्यादि को बढ़ावा दिया जाता है।
(सैद्धांतिक शिक्षण 30 प्रतिशत तक सीमित होगा और शेष 70 प्रतिशत व्यावहारिक होगा)

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठयांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई -1	• सम्प्रेषण: सामान्य परिचय (परिभाषा,प्रक्रिया,आयाम,सिद्धांत) • सम्प्रेषण के प्रकार • **मौखिक संप्रेषण:** बातचीत, भाषण, इंटरव्यू, समूह चर्चा, प्रस्तुति • **श्रवण कौशल:** श्रवण कौशल के प्रकार, ध्यान, समझ, स्मरण, प्रतिक्रिया देना, बाधाएँ	1	15

इकाई –2	• **लिखित संप्रेषण:** ईमेल,पत्र, स्ववृत, रिपोर्ट, लेख-निबंध, संक्षेपण, सोशल मीडिया के लिए लेखन • **गैर-मौखिक संप्रेषण:** हाव-भाव, शारीरिक भाषा, चेहरा, स्वर या आवाज, परिधान आदि • **डिजिटल संप्रेषण:** मोबाईल सम्प्रेषण, ऑनलाइन बातचीत, सोशल मीडिया शिष्टाचार • सम्प्रेषण की मुख्य बाधाएँ, सम्प्रेषण में सुधार के उपाय	1	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. सम्प्रेषणपरक व्याकरण:सिद्धांत और प्रारूप,केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा
2. नए जनसंचार माध्यम और हिंदी,सुधीश पचौरी,अचला शर्मा,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
3. सम्प्रेषण: चिंतन और दक्षता,मंजु मुकुल,शिवालिक प्रकाशन,दिल्ली
4. संचार और सम्प्रेषण,महावीर जैन का आलेख,रचनाकार
5. सम्प्रेषण कौशल,डॉ.प्रवीन कुमार आग्रवाल,डॉ.अविनाश कुमार मिश्रा,साहित्य भवन पब्लिकेशन,दिल्ली
6. सम्प्रेषण कला,डॉ.अनिरुद्धकुमार,सुशिल कुमार बघेल
7. सूचना और सम्प्रेषण: तकनीकी की समझ,स्मिता मिश्र

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर